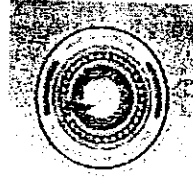


Sanskrit  
Undergraduate Syllabus

Session  
2013 - 2016

RANCHI WOMEN'S COLLEGE,  
RANCHI  
(Autonomous College)



Constituent Unit  
of  
Ranchi University, Ranchi

N.B. - No change in Syllabus

at Nema  
12/2/16

M. K. Kulkarni  
12.8.13

12.8.13

12.8.13  
G. S. S.

B.A. (Sanskrit Hons./Subs./Gen.)

for

Courses of Studies

अभिप्रेत कृतं प्रथमं

संस्कृत कक्षा

प्रथम

(संस्कृत विभागात् प्रथमं कक्षां प्रथमं कक्षां)

संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग

संस्कृत-विभाग

PAPER WISE DISTRIBUTION OF MARKS (HONS.)

Academic Year	Semester	Theory	Paper	MISE ESE TOTAL			Duration
				Full Marks	Marks	Pass	
First year	I	1	20	80	100	45	3 Hrs.
		2	20	80	100	45	3 Hrs.
	II	3	20	80	100	45	3 Hrs.
		4	20	80	100	45	3 Hrs.
	III	5	20	80	100	45	3 Hrs.
		6	20	80	100	45	3 Hrs.
Second Year	IV	7	20	80	100	45	3 Hrs.
		8	20	80	100	45	3 Hrs.
Third Year	V	9	20	80	100	45	3 Hrs.
		10	20	80	100	45	3 Hrs.
		11	20	80	100	45	3 Hrs.
	VI	12	20	80	100	45	3 Hrs.
		13	20	80	100	45	3 Hrs.
		14	20	80	100	45	3 Hrs.
		15	20	80	100	45	3 Hrs.
		16	20	80	100	45	3 Hrs.

12.8.13  
Gunn &

12.8.13  
Maha

12.8.13  
Maha

1.1.1

**राँची वीमेंस कॉलेज, राँची**  
(राँची विश्वविद्यालय की अङ्गीभूत स्वायत्त इकाई)  
**पाठ्यक्रम सारांश—स्नातक प्रतिष्ठा (संस्कृत)**  
**प्रथम वर्ष (प्रथम समसत्र)**

**प्रथम सत्र**

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (सामान्य परिचय)  
(रामायण, महाभारत, महाकाव्य, नाट्य साहित्य एवं गद्यकाव्य)  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक — 100  
उत्तीर्णांक—45

80 अंक

20 अंक

**द्वितीय पत्र**

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (सामान्य परिचय)  
(दर्शनशास्त्र एवं व्याकरणशास्त्र)  
मध्य समसत्र परीक्षा

80 अंक

20 अंक

**द्वितीय समसत्र**

**तृतीय पत्र**

1. मेघदूतम् (पूर्वमेघः) (1-20 श्लोक पर्यन्त) कालिदासकृत  
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्गः) 1-30 श्लोक पर्यन्त भारविकृत  
(वनेचर उक्ति पर्यन्त)  
मध्यसमसत्र परीक्षा

पूर्णांक — 100  
उत्तीर्णांक—45

40 अंक

40 अंक

20 अंक

**चतुर्थ पत्र**

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः) 1-30 श्लोक पर्यन्त, कालिदासकृत  
2. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्गः) 1-30 श्लोक पर्यन्त, माघकृत  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक — 100  
उत्तीर्णांक—45

40 अंक

40 अंक

20 अंक

12.8.13

12.8.13

12.8.13

12.8.13

द्वितीय वर्ष  
तृतीय समसत्र

पंचम पत्र

1. शुकनासोपदेशः (कादम्बर्या) बाणभट्टकृत
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयो अध्यायः) 1-20 श्लोकपर्यन्त  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

40 अंक  
40 अंक  
20 अंक

षष्ठ पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से तृतीय अंक तक) कालिदासकृत
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयो अध्यायः) 21-38 श्लोकपर्यन्त  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

40 अंक  
40 अंक  
20 अंक

चतुर्थ समसत्र

सप्तम पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - (चतुर्थ से सप्तम अंक तक) कालिदासकृत
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयो अध्यायः) 39-72 श्लोकपर्यन्त  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

40 अंक  
40 अंक  
20 अंक

अष्टम पत्र

1. स्वप्नवासवदत्तम् (संपूर्ण) भासकृत  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

80 अंक  
20 अंक

*M. M. S.* 12.8.13

*N. P. S.* 12.8.13

तृतीय वर्ष  
पंचम समसत्र

नवम् पत्र

1. कठोपनिषद् (प्रथमो अध्यायः)  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक – 100  
उत्तीर्णांक-45

80 अंक  
20 अंक

दशम् पत्र

1. काव्य दीपिका (काव्य-दोष प्रकरण छोड़कर)  
2. अलंकार (काव्य दीपिका के अनुसार)  
(अनुप्रास, यमक, श्लेष, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास,  
दीपक, समासाक्ति, काव्यलिङ्ग, विभावना, विशेषोक्ति, निदर्शना एवं दृष्टान्त)  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक – 100  
उत्तीर्णांक-45

60 अंक  
20 अंक

20 अंक

एकादश पत्र

1. समास प्रकरण (अव्ययीभाव, तत्पुरुष)  
2. पारिभाषिक शब्द  
(प्रातिपदिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, धि, उपघा, अपृक्त, गति, पद,  
विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, लोप, निष्ठा)  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक – 100  
उत्तीर्णांक-45

60 अंक  
20 अंक

20 अंक

द्वादश पत्र

1. समास प्रकरण (बहुव्रीहि, द्वन्द्व)  
2. कारक संधि-सामान्य परिचय  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक – 100  
उत्तीर्णांक-45

60 अंक  
20 अंक  
20 अंक

*Prerna Sh*  
12.8.13

*पञ्जाल प्रश्न*  
12.8.13  
*N. Patil*  
12.8.13

षष्ठ समसत्र

त्रयोदश पत्र

1. स्नातक वैदिक भाष्य संग्रह (डॉ० जयनारायण पाण्डेयकृत)  
मध्य समसत्र परीक्षा

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

80 अंक  
20 अंक

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

चतुर्दश पत्र

1. भाषा विज्ञान  
(भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, भाषा एवं बोली में अंतर, भाषा की विशेषताएँ एवं अर्थ विज्ञान) 60 अंक
2. वृत्तरत्नाकर : भट्टकेदारकृत  
(आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, भुजङ्गप्रयात, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित एवं स्त्रग्धरा)  
मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंक

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

पञ्चदश पत्र

1. वेदांगो का सामान्य परिचय 40 अंक
2. संस्कृत पत्र-लेखन 40 अंक  
मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंक

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-45

षोडश पत्र

1. अनुवाद और संस्कृत निबन्ध 60 अंक
2. अपठित गद्यांश 20 अंक  
मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंक

*Aruna Sr*  
12.8.13

*चक्रान्त गुप्ता*  
12.8.13

*N. Talwar*  
12.8.13

राँची वीमेंस कॉलेज, राँची  
(राँची विश्वविद्यालय की अङ्गीभूत स्वायत्त इकाई)  
पाठ्यक्रम सारांश-स्नातक (संस्कृत)  
अनुपूरक एवं सामान्य  
प्रथम वर्ष (प्रथम समसत्र)

प्रथम सत्र

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत)
2. मेघदूतम् (पूर्वमेघ-उज्जयिनीवर्णन पर्यन्त)

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-33

40 अंक  
60 अंक

द्वितीय समसत्र

द्वितीय पत्र

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (महाकाव्य, नाटक)
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग-युधिष्ठिर वनेचर संवाद)

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-33

40 अंक  
60 अंक

(द्वितीय वर्ष)

तृतीय समसत्र

तृतीय पत्र

1. नीतिशतकम् (1-25 श्लोक)
2. सन्धि (लघुसिद्धान्त कौमुदी)

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-33

60 अंक  
40 अंक

चतुर्थ समसत्र

चतुर्थ पत्र

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-33

*Miha*  
12.8.13

*N. Nathak*  
12.8.13



M. K. D. K. L.  
12-8-13

12.8.13  
12.8.13  
M. K. D. K. L.

12 अंक	4. अपठित गद्यांश
16 अंक	3. पत्र-लेखन
12 अंक	2. अर्थ-संश्लेषण
60 अंक	1. अध्यात्मशास्त्रात्मक-तत्त्व (4 से 5 अंक तक)

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-33

पद्य-समय

10 अंक	3. अग्रच्छेद लेखन
30 अंक	2. अग्रवाद (संस्कृत से हिन्दी, हिन्दी से संस्कृत)
60 अंक	1. अध्यात्मशास्त्रात्मक-तत्त्व (1 से 3 अंक तक)

पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक-33

पद्य-समय

40 अंक	2. कारक (लघु-विश्लेषणात्मक)
60 अंक	1. विनोद-विश्लेषण (मिथ्या)

(उत्तीर्ण पद्य) (कवल सामान्य के लिए)

*Handwritten signature*

- अनुशासित पुस्तकें -
1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
  2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति शैलाना, चौखम्बा विद्यामठन, वाराणसी
  3. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. वाचस्पति मिश्र, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
  4. संस्कृत साहित्य का सामाजिक इतिहास - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, राम नारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद
  5. संस्कृत ललित साहित्य का इतिहास - कृष्णलाल व्यास शिष्य, इतिहास विद्या प्रकाशन, दिल्ली
  6. संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

(क)	दस वर्गनिष्ठ प्रश्न	-	$2 \times 10 = 20$
(ख)	तीन आलोचनात्मक प्रश्न	-	$16 \times 3 = 48$
(ग)	दो टिप्पणियाँ	-	$6 \times 2 = 12$

समस्तान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)  
 मध्य समयक परीक्षा 20 अंकों की  
 प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास (सामान्य परिचय),  
 (रामायण, महाभारत, महाकाव्य, नाट्य साहित्य, गद्यकाव्य एवं प्रश्न) *Handwritten signature*

80 अंक

प्रथम पत्र  
 प्रथम समयक (1<sup>st</sup> Semester)  
 प्रथम वर्ष  
 पाठ्यक्रम - स्नातक प्रविष्टा (संस्कृत)  
 (राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अङ्गीकृत स्थापना इकाई)  
 राष्ट्रीय प्रीम्स कॉलेज, राँची

कुल व्याख्यान - 80

पूर्णांक - 100 (80+20)

उत्तीर्णांक - 45

द्वितीय पत्र

संस्कृत शास्त्रों का इतिहास (सामान्य परिचय)  
(दर्शनशास्त्र और व्याकरणशास्त्र)

80 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

(क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	-	2 x 10 = 20
(ख) तीन आलोचनात्मक प्रश्न	-	16 x 3 = 48
(ग) दो टिप्पणियाँ	-	6 x 2 = 12

अनुशंसित पुस्तकें -

1. भारतीय दर्शन की रूपरेखा - प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन - डॉ. न. क. देवराज, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
3. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
4. भारतीय दर्शन - आलोचना और अनुशीर्षन - चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. सर्वदर्शन संग्रह - माधवाचार्य कृत, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

*Handwritten signature*

10/10

1. **भद्रत - एक अर्चिविन - डॉ. श्रीराम शर्मादेव, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी**
2. **भद्रत (पूर्वभद्र) - डॉ. विद्यादेव शर्मा, प्रद्युम्न प्रकाशन, कानपुर**
3. **The Meghdoota of Kalidas - M. R. Kale, Motilal Banaridas, Varanasi**
4. **भद्रत - आचार्य शेषराज शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी**
5. **क्रियावर्णनीयम् (प्रथमसर्ग) - पं. बंशीमाधव सदाशिवशास्त्री भूषणगावकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा**
6. **क्रियावर्णनीयम् (प्रथमसर्ग) - डॉ. उमदेव पाण्डेय, प्रद्युम्न प्रकाशन, गोरखपुर**
7. **क्रियावर्णनीयम् - बनेश्वर पाठक, ज्योति प्रकाशन, राँची**
8. **क्रियावर्णनीयम् - आशुतोष पाठक, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ**

अनुशासित पुस्तक -

2. **क्रियावर्णनीयम्**
  - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 2 x 5 = 10
  - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न - 12 x 1 = 12
  - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या - 10 x 1 = 10
  - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद - 8 x 1 = 08
1. **भद्रतम्**
  - (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 2 x 5 = 10
  - (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न - 12 x 1 = 12
  - (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या - 10 x 1 = 10
  - (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद - 8 x 1 = 08

समस्यात्मक परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

प्रश्न समाप्त परीक्षा 20 अंकों की

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

1. **भद्रतम् (पूर्वभद्र) - कालिदासकृतम् (1-20) 40 अंक (व्याख्यान - 40)**
2. **क्रियावर्णनीयम् (प्रथम सर्ग) - भारविर्कृतम् (1-30) 40 अंक (व्याख्यान - 40)**

प्रश्न 3 अंकों में 10 अंकों में

द्वितीय सत्र (2<sup>nd</sup> Semester)

वर्तनीक - 45

पूर्वक - 100

कुल व्याख्यान - 80

(80+20)

कुल व्याख्यान - 80

पूर्णांक - 100 (80+20)

उत्तीर्णांक - 45

चतुर्थ पत्र

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः) - कालिदास कृत (1-30) 40 अंक (व्याख्यान - 40)
2. शिशुपालवध (प्रथम सर्गः) - माघ कृत (1-30) 40 अंक (व्याख्यान - 40)

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

1. रघुवंशम्

- |  |               |
|--|---------------|
| (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न                   | - 2 x 5 = 10  |
| (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न                     | - 12 x 1 = 12 |
| (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या | - 10 x 1 = 10 |
| (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद            | - 8 x 1 = 08  |

2. शिशुपालवध

- |  |               |
|--|---------------|
| (क) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न                   | - 2 x 5 = 10  |
| (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न                     | - 12 x 1 = 12 |
| (ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या | - 10 x 1 = 10 |
| (घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद            | - 8 x 1 = 08  |

अनुशासित पुस्तकें -

1. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्गः) - आचार्य कृष्ण मुरारी अवस्थी, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्गः) - डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
3. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्गः) - श्री तारिणीश झा, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
4. शिशुपालवधम् - जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. शिशुपालवधम् - श्री जगन्नाथ शास्त्री तैलंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
6. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) - रामकृष्ण शुक्ल, रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
7. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) - डॉ. आरती अग्रवाल, राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद
8. रघुवंशम् - डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

*Handwritten signature*

द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र (3<sup>rd</sup> Semester)

कैल व्याख्यान	-	80
पूर्णांक	-	100
उत्तीर्णक	-	45

(80+20)

1. शिकनासापदेश: (कादम्बरी) - बाणभट्ट कवे
2. भावदर्शीता (द्वितीयाऽध्यायः) - बलाकसहस्र्या 1-20

40 अंक  
40 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

प्रथम सत्र परीक्षा 20 अंकों की  
द्वितीय सत्र परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

1. शिकनासापदेशः

- (क) पाँच वर्गनिष्ठ प्रश्न
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न
- (ग) एक बलाक का हिन्दी में अर्जवाद
- (घ) एक बलाक का हिन्दी में अर्जवाद

- 2 x 5 = 10  
- 12 x 1 = 12  
- 10 x 1 = 10  
- 8 x 1 = 08

2. भावदर्शीता

- (क) पाँच वर्गनिष्ठ प्रश्न
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न
- (ग) एक बलाक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या
- (घ) एक बलाक का हिन्दी में अर्जवाद

- 2 x 5 = 10  
- 12 x 1 = 12  
- 10 x 1 = 10  
- 8 x 1 = 08

अनुशासित पुस्तक -

1. शिकनासापदेशः - देवन्दरमिश्र, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
2. शिकनासापदेशः - आचार्य रामनाथ सिंघन, साहित्य मण्डल, सूर्यमाला बाजार, मुरव
3. शिकनासापदेशः - डा. रमेश कुमार झा, प्रकाशन कन्द, लखनऊ
4. कादम्बरी (शिकनासापदेशः) - रामपाल शान्ती, चौखम्बा ऑरियण्टलिया, वाराणसी
5. श्रीमद्भागवतदर्शीता - शा.इ.कर्मण्य, हिन्दी अर्जवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर
6. श्रीमद्भागवतदर्शीता (द्वितीयाऽध्यायः) - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सूर्यमाला

प्रकाशन, वाराणसी

*(Handwritten mark)*

Handwritten mark

- अनुशासित पुस्तक -
1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. सुरेंद्रदेव शर्मा, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
  2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
  3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - श्रीधरचन्द्र पन्त, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
  4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. जमुना पाठक, श्री धनश्याम दास एण्ड सन्स, कान्हाबाद
  5. कालिदास और अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. जय किशन प्रसाद, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
  6. Works of Kalidasa, Vol. I - C. R. Devdhar, Motilal Banaridas, Varanasi
  7. श्रीमद्भगवद्गीता - शा.क.क.स.भा.ष. हिन्दी अनुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर
  8. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयोऽध्यायः) - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कारणी प्रकाशन, वाराणसी

2.	भगवद्गीता	(क) पाँच वर्णनिष्ठ प्रश्न	2 x 5 = 10
		(ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न	12 x 1 = 12
		(ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10 x 1 = 10
		(घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	8 x 1 = 8
1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम्	(क) पाँच वर्णनिष्ठ प्रश्न	2 x 5 = 10
		(ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न	12 x 1 = 12
		(ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10 x 1 = 10
		(घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	8 x 1 = 8

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -  
 मध्य समय 20 अंकों की  
 समयान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से तृतीय अंक तक) - कालिदास केवल 40 अंक
2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयोऽध्यायः) - श्लोकसङ्ख्या 21-38 तक 40 अंक

प्रश्न पत्र  
 80 - कुल व्याख्यान  
 100 (80+20) - पूर्णांक  
 45 - उत्तीर्णांक

कुल व्याख्यान - 80  
 पूर्णक - 100  
 उत्तीर्णक - 45

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ से सप्तम अंक तक) - कालिदास कवे  
 40 अंक

2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयाध्यायः) - श्लोकसङ्ख्या 39-72 तक  
 40 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

प्रथम समस्य 20 अंकों की

समस्यान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्

(क) पूर्व वर्तुनिष्ठ प्रश्न  $2 \times 5 = 10$

(ख) एक आलोचनानामक प्रश्न  $12 \times 1 = 12$

(ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या  $10 \times 1 = 10$

(घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद  $8 \times 1 = 08$

2. भावदर्शीता

(क) पूर्व वर्तुनिष्ठ प्रश्न  $2 \times 5 = 10$

(ख) एक आलोचनानामक प्रश्न  $12 \times 1 = 12$

(ग) एक श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या  $10 \times 1 = 10$

(घ) एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद  $8 \times 1 = 08$

अनुश्रुत पुरतक -

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - सुबोधचन्द्र पन्त, मौलाना बनारसीदास, वाराणसी

2. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीयाध्यायः) - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्मरणी

प्रकाशन, वाराणसी



कूल व्याख्यान - 80

पूर्विक - 100

उत्तीर्णाक - 45

अष्टम पत्र

स्वप्नवासवदत्तम् - भाष्य कर्तव्य

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

मध्य समस्यत्र परीक्षा 20 अंकों की

समस्यकान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावाहिक - 3 पृष्ठ)

(क) पाँच पदार्थनिष्ठ प्रश्न

(ख) दो आलोचनात्मक प्रश्न

(ग) दो पद्यों की संस्कृत में समस्यत्र व्याख्या

(घ) दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद

- 2 x 5 = 10

- 15 x 2 = 30

- 12 x 2 = 24

- 8 x 2 = 16

अनुशासित पुस्तक -

1. स्वप्नवासवदत्तम् - प्रा० बनेश्वर पाठक, सुबोध ग्रंथमाला कार्यालय, सूची
2. स्वप्नवासवदत्तम् - प्रा० पी. पी. बर्मा, राम नारायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
3. स्वप्नवासवदत्तम् - पं० अनन्तराम शारदा बेताल, चौखम्बा संस्कृत सोसिटी, वाराणसी
4. स्वप्नवासवदत्तम् - श्री शशिनाथ झा, नौबेटी एण्ड कम्पनी, पटना
5. Swapnavasavattam of Basa - M. R. Kale, Motilal Banarsidas, Varanasi

द्वितीय वर्ष

प्रथम सत्र (5th Semester)

कैल बाल्यान - 80

पूर्णांक - 100 (80+20)

उत्तीर्णांक - 45

नवम पत्र

कठोपनिषद् (प्रथमोऽध्यायः)

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

मध्य सत्रसत्र परीक्षा 20 अंकों की

समस्तान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

(क) पाँच वर्तुणिक प्रश्न

(ख) दो आलोचनात्मक प्रश्न

(ग) दो मंत्र की संस्कृत में सप्रसांग व्याख्या

(घ) दो मंत्र का हिन्दी में अनुवाद

- 4 x 5 = 20

- 12 x 2 = 24

- 10 x 2 = 20

- 8 x 2 = 16

अनुशासित पुरस्कार -

1. कठोपनिषद् - डॉ. सुरेन्द्रदेव शारदा, चौखम्बा संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

2. कठोपनिषद् - जगन्मोहन विक्रमिन्, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

3. कठोपनिषद् (प्रथमोऽध्यायः) - डॉ. अखिलेश पाठक, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

अनुशासित

अनुशासित

5th Semester

कुल पाठ्यक्रम - 80

पूर्णांक - 100 (80+20)

उत्तीर्णांक - 45

दशम पत्र

1. काव्यदीपिका (काव्य - दोष प्रकरण छोड़कर)

2. अलंकार (काव्य दीपिका के अनुसार)

(अनुप्रास, यमक, श्लेष, रूपक, उर्ध्वना, आतिशयोक्ति, व्यतिरेक, अधोनिर्णयनास, दीपक, समासाविवृत, काव्यलिङ्ग, विभावना, विभक्ति, निदर्शना एवं दर्शना)

अनुप्रास  
दोष प्रकरण

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

प्रथम समस्यत्र परीक्षा 20 अंकों की

समस्यत्रान्त परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

1. काव्यदीपिका

(क) दस वर्गनिष्ठ प्रश्न

(ख) तीन आलोचनात्मक प्रश्न

(ग) दो टिप्पणियाँ

2. दो अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण

- 10 x 2 = 20

- 5 x 2 = 10

- 10 x 3 = 30

- 2 x 10 = 20

अनुशासित पुस्तकें -

1. काव्यदीपिका - डॉ. कृष्ण मुरारी त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कारणी प्रकाशन, वाराणसी

2. काव्यदीपिका - पं. रामगोविन्द शंकर, चौखम्बा संस्कृत संशोधन आश्रम, वाराणसी

3. काव्यदीपिका - श्री परमेश्वररत्नानन्द शास्त्री, मौलाना बनारसीदास, वाराणसी

अनुप्रास

## 5<sup>th</sup> Semester

कुल व्याख्यान - 80

पूर्णांक - ~~100~~ 80 + 20

उत्तीर्णांक - ~~45~~ 30

45

### एकादश पत्र

1. समास प्रकरण (अव्ययीभाव, तत्पुरुष) 60 अंक
2. पारिभाषिक शब्द 20 अंक  
(प्रातिपदिक, सन्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, धि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, हि, प्रगृह्य सर्वनामस्थान, लोप, निष्ठा)

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन -

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

1. समास प्रकरण
  - (क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न - 2 x 10 = 20
  - (ख) चार सूत्रों की व्याख्या - 5 x 4 = 20
  - (ग) चार समस्त पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि - 5 x 4 = 20
2. दो पारिभाषिक शब्दों का परिचय - 10 x 2 = 20

अनुशंसित पुस्तकें -

1. वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरण) - आचार्य जगदीशशास्त्री और श्रीमती मधुबाला शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. समासप्रकरणम् - डॉ. घनश्याम महतो, एस. के. बुक एजेन्सी, सरोवर विहार, दिव्यायन के पास मोराबादी, राँची
3. वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (आत्मनेपद, परस्मैपद, कृदन्त, कृत्यप्रकरणम सहितं संज्ञाविवेचनम्) - डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

*ahw*

*Handwritten signature*

- अनुशासित पुस्तक -
1. वैयक्तिक शिक्षणकौमुदी (समासप्रकरण) - आचार्य जगदीशशास्त्री और श्रीमती मधुबाला शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
  2. लघुशिक्षण कौमुदी - श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
  3. लघुशिक्षण कौमुदी - श्री महेश सिंह केशवदास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

2. (क) 2 x वर्गनिष्ठ प्रश्न = 20  
(ख) चार स्रोतों की व्याख्या = 20  
(ग) चार समस्त पदों की स्रोतोंकेख पूर्वक सिद्धि = 20  
(क) करक पर आधारित पाँच प्रश्न = 20  
(ख) सन्धि पर आधारित पाँच प्रश्न = 10

1. समास प्रकरण  
 समासजन्य परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)  
 मध्य समास परीक्षा 20 अंकों की  
 प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

~~(प्रतिमासिक, सप्तमासिक, सत्रिक, गण, वृद्धि, नदी, हि, उपधा, अपदान, गति, पद, विभाषा, शर्ष, हि, प्रादेश्य सर्वनामकाम, वाप, निरु)~~

1. समास प्रकरण (वृद्धि, इ.द) - समास्य परित्यज 60 अंक
2. कारक सन्धि - समास्य परित्यज 20 अंक

उत्तीणाक - 45  
 पूर्णाक - 36

कैल आख्यान - 80

5th Semester

80+20

कैल खर्यान - 80

वर्णिक - 45

क 80 अक

अध्याय पत्र

स्नातक वैदिक भाष्य संग्रह (डॉ. जयनारायण पाण्डेय)

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

मध्य सामय परीक्षा 20 अंकों की

समयावधि परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

(क) दस परस्मिन्व प्रश्न

(ख) एक देवता का परिचय

(ग) दो मन्त्रों की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या

(घ) दो मन्त्रों का हिन्दी में अनुवाद

- 2 x 10 = 20

- 20 x 1 = 20

- 12 x 2 = 24

- 8 x 2 = 16

अनुशासित प्रश्नक -

1. स्नातक वैदिक भाष्य संग्रह - डॉ. जयनारायण पाण्डेय, सुबोध ग्रन्थमाला कार्यालय, राँची

*Handwritten signature*

कुल व्याख्यान — 80

पूर्णांक — 100 (80+20)

उत्तीणाक — 45

चतुर्दश पत्र

1. भाषा विज्ञान 60 अंक  
(भाषा की उत्पत्ति, भाषा की परिभाषा, भाषा एवं बोली में अन्तर, भाषा की विशेषताएँ एवं अर्थ विज्ञान)
2. वृत्तरत्नाकरः (छंद) — भद्र केदार कृतः 20 अंक  
(आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, भुजंगप्रयात, पंशस्थ, पसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, रादूलविक्रीडित एवं स्त्रग्धरा)

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन —

मध्य समसत्र परीक्षा 20 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षावधि — 3 घण्टे)

1. भाषा विज्ञान  
(क) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न — 2 x 10 = 20  
(ख) तीन आलोचनात्मक प्रश्न — 10 x 3 = 30  
(ग) दो टिप्पणियाँ — 5 x 2 = 10
2. चार छंदों के लक्षण एवं उदाहरण — 5 x 4 = 20

अनुशंसित पुस्तकें —

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भाषा विज्ञान — डा. भोलानाथ तिवारी, किताब, महल प्रकाशन, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान की भूमिका — आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., 2/38, अन्सारी मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली
4. वृत्तरत्नाकरम् — श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. वृत्तरत्नाकरम् — श्री केदारनाथ शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

*Handwritten signature*

Handwritten signature or mark at the top left of the page.

- अनुशासित पुस्तक -
1. वैदिक साहित्य परिशीलन - रजनीकान्त शास्त्री, कितलब, महल प्रकाशन, इलाहाबाद
  2. वैदिक साहित्य का इतिहास - डा. कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मरठ
  3. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर - डा. राजकिशोर सिंह एवं धर्मन्दाय शास्त्री, प्रकाशन केंद्र, रेलवे कनिष्ठा, सीतापुर रोड, लखनऊ
  4. संस्कृत निबन्धशातकम् - डा. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
  5. बृहद्अनुवाद चन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल 'हंस' शास्त्री, मौलीलाल बनारसीदास, वाराणसी

1.	(क) दस वर्गनिष्ठ प्रश्न	-	2	x	10	=	20
	(ख) किन्हीं दो वेदाङ्गों का परिचय	-	10	x	2	=	20
2.	(क) संस्कृत पत्र लेखन	-	20	x	1	=	20
	(ख) प्रत्यय वचन (दस वर्गनिष्ठ प्रश्न)	-	2	x	10	=	20

1.	वेदाङ्गों का परिचय	समस्यात्मक परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षार्थि - 3 घण्टे)	प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -
		मध्य समस्या परीक्षा 20 अंकों की	
2.	संस्कृत पत्र-लेखन का विभाजन		40 अंक
1.	वेदाङ्गों का सामान्य परिचय		40 अंक
	प्रश्न पत्र		
		कूल व्ययान -	80
		पूर्णांक -	100 (80+20)
		उत्तीर्णांक -	45



Handwritten signature or mark at the top of the page.

- अनुशासित पुस्तक -
1. रथानुवाद कौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
  2. संस्कृत निबन्धान्तजलि: - रामजी उपध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
  3. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर - डॉ. राजकिशोर सिंह एवं धर्मचन्द्रनाथ शास्त्री, प्रकाशन कन्द, देवद्वे कासिम, सीतापुर रोड, लखनऊ
  4. संस्कृत निबन्धशतकम् - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

1. (क) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद - 20  
(ख) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद - 20  
(ग) एक निबंध (संस्कृत में) - 20
2. अपठित गद्यांश पर आधारित दस प्रश्न - 20

समस्तान्त परीक्षा 80 अंको की (परीक्षागणित - 3 घण्टे)  
मध्य समस्त परीक्षा 20 अंको की  
प्रश्नों एवं अंको का विभाजन -

20 अंक

2. अपठित गद्यांश

60 अंक

1. अनुवाद और संस्कृत निबन्ध

परीक्षा पर

उत्तीर्णांक - 45

पूर्णांक - 100 (80+20)

कुल व्याख्यान - 80

*Handwritten signature*

कन्द, लखनऊ

8. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य देवीशंकर मिश्र / राजकिशोर सिंह, प्रकाशन वाराणसी
7. संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - वाचस्पति शैबला, चौखम्बा विद्याभवन,
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
5. The Meghdoota of Kalidas - M. R. Kale, Motilal Banarsidas, Varanasi
4. मधुर्तम - आचार्य शेषराज शर्मा, चौखम्बा संस्मरणी प्रकाशन, वाराणसी
3. मधुर्त - डॉ. विजय कुमार शर्मा, साहित्य भण्डार, मुरै
2. मधुर्त - एक अर्जुनचिन्तन - डॉ. श्रीरञ्जन सूरिदेव, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
1. मधुर्त - डॉ. सत्यारवन्द तथा पं. मोहनदेव पन्त शारङ्गी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

अनुशासित पुस्तक -

- (i) संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण) से दो आलोचनात्मक प्रश्न - 10 x 2 = 20
- (ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण) से दो आलोचनात्मक प्रश्न - 10 x 2 = 20
- (iii) मधुर्तम से दो पद्यां का हिन्दी में अनुवाद
- (iv) मधुर्तम से एक पद्य की संक्षेप व्याख्या
- (v) मधुर्तम से दो आलोचनात्मक प्रश्न

समस्तज्ञान परीक्षा 80 अंकों की (परीक्षावधि - 3 घण्टे)

समस्तज्ञान परीक्षा 100 अंकों की

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

2. मधुर्तम (पूर्वभूष, उज्जयिणी वर्णन पद्य) 60 अंक
1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत) 40 अंक

प्रश्न पत्र

उत्तीर्णक - 33

पूर्णांक - 100

परीक्षावधि - 3 घण्टे

प्रथम समस्त (1<sup>st</sup> Semester)

पाठ्यक्रम - सांस्कृतिक (संस्कृत) अर्जुनचिन्तन प्रश्न पत्र

(राजी विश्वविद्यालय की अखिलभारत स्थापना इकाई)

राजी विश्वविद्यालय, राजी

कुल व्याख्यान —	80
परीक्षावधि —	3 घण्ट
पूर्णांक —	100
उत्तीर्णांक —	33

द्वितीय समसत्र (2<sup>nd</sup> Semester)

द्वितीय पत्र

- |  |        |
|--|--------|
| 1. संस्कृत साहित्य का इतिहास (महाकाव्य, नाटक)            | 40 अंक |
| 2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग: युधिष्ठिर — बनेचर संवाद) | 60 अंक |

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन —

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंकों की

- |   |               |
|---|---------------|
| (i) संस्कृत साहित्य का इतिहास (महाकाव्य) दो आलोचनात्मक प्रश्न | — 10 x 2 = 20 |
| (ii) संस्कृत साहित्य का इतिहास (नाटक) दो आलोचनात्मक प्रश्न    | — 10 x 2 = 20 |
| (iii) किरातार्जुनीयम् से दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद       | — 8 x 2 = 16  |
| (iv) किरातार्जुनीयम् से एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या           | — 14 x 1 = 14 |
| (v) किरातार्जुनीयम् से दो आलोचनात्मक प्रश्न                   | — 15 x 2 = 30 |

अनुशंसित पुस्तकें —

1. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
2. संस्कृत साहित्य इतिहास — ए. बी. कीथ, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. किरातार्जुनीयम् — बनेश्वर पाठक, ज्योति प्रकाशन, राँची
4. किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग) — पं. बेणीमाधव सदाशिवशास्त्री मुसलगाँवकर, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
5. किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग) — डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर

*Handwritten signature*

Handwritten signature or mark at the top left of the page.

- अनुशासित पुस्तक -
1. नीतिशातकम् - कण्ठवन्द शिबल, रामनारायण लाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद
  2. नीतिशातकम् - डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा संस्मरणी प्रकाशन, वाराणसी
  3. नीतिशातकम् - जनादनशास्त्री पण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
  4. नीतिशातकम् - डॉ. बार्बुरम त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
  5. लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
  6. लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्री महेश सिंह केशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
  7. लघुसिद्धान्त कौमुदी - ए. रामचन्द्र झा, चौखम्बा अमरमरती प्रकाशन, वाराणसी
  8. लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्रीरधर झा "सुधीर", कल्पना प्रकाशन, खजांची रोड, पटना

1. नीतिशातकम् से एक आलोचनात्मक प्रश्न (क)  $20 \times 1 = 20$   
(ख) नीतिशातकम् से दो पद्यां की सप्रसंग व्याख्या  $12 \times 2 = 24$   
(ग) नीतिशातकम् से दो पद्यां का हिन्दी में अनुवाद  $8 \times 2 = 16$
2. चार सूर्यों सोदाहरण व्याख्या (क) चार  $6 \times 4 = 24$   
(ख) चार  $4 \times 4 = 16$

समयान्त परीक्षा 100 अंकों की  
प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

1. नीतिशातकम् (1 - 25 श्लोक) 60 अंक
2. सन्धि (लघुसिद्धान्त कौमुदी) 40 अंक

पूर्वीय पत्र  
कूल आख्यान - 80  
परीक्षावाक्य - 3 घण्टे  
पूर्णांक - 100  
उत्तीर्णांक - 33

द्वितीय वर्ष  
तृतीय संस्करण (3<sup>rd</sup> Semester)

Handwritten signature or mark.

- अनुशासित पुस्तक -
1. हिरोपदेश - आचार्य श्रीशेषरत्न शर्मा रसमी, चौखम्मा सूर्यमाली प्रकाशन, वाराणसी
  2. हिरोपदेश - नारायण शर्मा आचार्य "कालतीर्थ", निर्णयसंगम मदनमालय, बम्बई
  3. अर्थसिद्धान्त कौमुदी - श्री धरानन्द शास्त्री, मलीकाल बनारसीदास, वाराणसी

-	8	x	2	=	16
-	12	x	2	=	24
-	20	x	1	=	20

- (क) एक आलोचनात्मक प्रश्न  
(ख) हिरोपदेश से दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या  
(ग) हिरोपदेश से दो पद्यों का हिन्दी में अनुवाद

1. हिरोपदेश  
समस्यान्त परीक्षा 100 अंकों की  
प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -

40 अंक  
60 अंक

1. हिरोपदेश (सिखण्ड)
2. कारक (अर्थसिद्धान्त कौमुदी)

वर्षाक - 33  
पूर्णाक - 100  
परीक्षावधि - 3 घण्टे  
कुल व्याख्यान - 80

वर्षाक समाप्त (4th Semester)  
अनुपूर्वक एवं सामान्य

Handwritten signature or mark.

1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो आलोचनात्मक प्रश्न	15	x	2	=	30
2.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से एक सप्रश्न व्याख्या	14	x	1	=	14
3.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो श्लोकों का अर्थवाद	8	x	2	=	16
4.	संस्कृत से हिन्दी में अर्थवाद	15	x	1	=	15
5.	हिन्दी से संस्कृत में अर्थवाद	15	x	1	=	15
6.	अनुच्छेद लेखन	10	x	1	=	10

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन -  
समस्तान्त परीक्षा 100 अंकों की

1.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 3 अंक तक)	60	अंक
2.	अर्थवाद (संस्कृत से हिन्दी, हिन्दी से संस्कृत)	30	अंक
3.	अनुच्छेद लेखन	10	अंक

प्रश्न पत्र

80	-	कुल अंकात्मक प्रश्न
3	-	परिष्कारित
100	-	पूर्णांक
33	-	वर्गीय

पंचम वर्ष (सामान्य कक्षा)  
पंचम semster (5<sup>th</sup> Semester)

कुल अंश - 80

परीक्षा - 3 घण्टे

पूर्णांक - 100

उत्तीर्णांक - 33

षष्ठम पत्र

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (4 से 5 अंक तक)

2. अष्टाद्वि संशोधन

3. पत्र लेखन

4. अपठित महाश्व

प्रश्न एवं अंकों का विभाजन -

समस्यात्मक परीक्षा 100 अंकों की

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो आलोचनात्मक प्रश्न

- 15 x 2 = 30

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् से एक पद्य की सम्यक् व्याख्या

- 14 x 1 = 14

3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् से दो पद्याँ का हिन्दी में अनुवाद

- 8 x 2 = 16

4. अष्टाद्वि संशोधन

- 2 x 6 = 12

5. पत्र लेखन (संस्कृत में)

- 16 x 1 = 16

6. अपठित महाश्व

- 12 x 1 = 12

अनुशासित पुस्तक -

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. सूर्येन्द्र शास्त्री, रामनारायण बेनी प्रसाद, इलाहाबाद

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण बेनी प्रसाद, इलाहाबाद

3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - श्रीबोधचन्द्र पन्त, मौलीलाल बनारसीदास, वाराणसी

4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. हरिदत्त शास्त्री, प्रो. शिवबालक द्विवेदी, मन्थम, रामवाग

कानपुर

5. बृहद्अनुवाद चन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल 'इस' शास्त्री, मौलीलाल बनारसीदास,

वाराणसी

6. संस्कृत निबन्ध रत्नाकर - देवकान्त झा, भारती भवन, दिल्ली

7. संस्कृत सहर - आचार्य रामामोहन उपध्याय, स्टूडेंट्स, फ़ोल्डर्स, पटना

Handwritten mark